2021

(Held in 2022)

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(भक्तिकालीन काव्यधारा)

(Non-CBCS)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?

(ख) विद्यापति के गुरु कौन थे?

(ग) जायसी भक्तिकाव्य की किस शाखा के कवि हैं?

(घ) पद्मावती कहाँ की राजकुमारी है?

(ङ) हीरामन किसका नाम है?

(च) 'सूरसागर' के रचयिता कौन हैं?

(छ) कृष्ण भक्ति शाखा की एक कवयित्री का नाम लिखिए।

(ज) तुलसीदास-विरचित 'विनय-पत्रिका' की भाषा का नाम क्या है?

(झ) 'कवितावली' के कवि कौन हैं?

(ञ) कबीर के राम का स्वरूप कैसा है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति ने किन भाषाओं में काव्य-रचना की है?

(ख) "डगमग छाँड़ि दे मन बौरा।" कवि ने मन को संबोधित करते हुए ऐसा क्यों कहा है?

(ग) "राम नाम कै पटंतरै देबे कौ कछु नांहिं।" —का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) दादूदयाल के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) नागमती के विरह की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) "घन-घन घनए घुघुर कत बाजए हन-हन कर तुअ काता।" —पंक्ति वाले पद में कवि ने देवी की वंदना किस प्रकार की है?

(ख) 'मानसरोदक खंड' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) सूरदास के बाल-वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) कबीरदास की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

(ङ) रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) माया महा ठगिनि हम जानी।
तिरगुन फाँसि लिए कर डोलै बोलै मधुरी बानीं॥
केसव कै कँमला होई बैठी सिव कै भवन भवानीं।
पंडा कै मूरति होइ बैठी तीरथ हू मैं पांनी॥

अथवा

जेहि पंखी के निअर होइ कहै विरह कै बात।
सोई पंखी जाइ जरि, तरिवर होइ निपात॥

(ख) अविगत गति जानी न परै।
मन-बच-कर्म-अगाध अगोचर, किहि विधि बुधि सँचरै।
अति प्रचंड पौरुष बल पाएँ, केहरि भूख भरै।
अनायास बिनु उद्यम कीन्है अजगर उदर भरै।

अथवा

जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे?
काको नाम पतितपावन जग केहि अतिदीन पियारे?
कौने देव बराइ बिरद हित हठि हठि अधम उधारे?
खग मृग ब्याध पषान बिटप जड़ जवन कवन सुर तारे?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) कबीर की निर्गुण विचारधारा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विद्यापति की पदावली की लोकप्रियता पर एक लेख लिखिए।

(ख) सूरदास की भक्ति-भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास के काव्य के कलापक्षीय सौन्दर्य पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

★★★